रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की एक अंगीभूत इकाई)

AISHE-C-12846

1st Cycle Naac Accredited Grade - C with CGPA-1.79

चौकशिकारपुर, पटना सिटी, पटना-800009

Email : info@rmpcollegepatna.ac.in

Website : www.rpmcollegepatna.ac.in

Phone No. : 0612-2641451

प्रो० (डॉ०) पूनम

प्राचार्या

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

चौकशिकारपुर, पटना सिटी

COLLEGE NEWS BULLETIN

डॉ० इंद्रजीत सिंह

कुलपति

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

वर्ष : 2025 | अंक : 7 | अप्रैल-जून, 2025 | मूल्य : निःशुल्क

VISION

The long term vision of our college is encapsulated in the following statement-

1. To be center of excellence in higher education with an innovative teaching, learning research activities to cater to the academic needs of the students by providing qualitative education making themself sufficient in life.
2. To provide modern education to promote academic excellence with an ethical dimension and inculcate values in the young girl students, enhancing their quality of life.
3. Our main moto is to educate enable and empower young women for promoting gender equality, social justice and enhancing their quality of life and transforming them into responsible citizen with a commitment towards serving humanity.

MISSION

1. To impart holistic quality education to girl students of unprivileged cross section of society, and empower them with knowledge, skill and competence and make them self-reliant and socially committed citizens of the country.
2. To create a learning ambience in the College, where research and scholarship flourishes.
3. To provide updated knowledge and skill to the girl students to enable them compete in this highly competitive globalized world.
4. To develop overall personality of the girl students to enable them face the fast changing times with dynamism and confidence.
5. To promote art and culture in the College by regularly organizing such events in the campus and by inviting famous experts to inspire the students.
6. To campaign against environmental pollution and to provide best possible protection to all the College members from all kinds of pollution in the campus.
7. The best possible ancient and modern tools and technique of teaching learning should be used to provide updated knowledge and skills, in the globalised world to the girl student of this college who comes from far flung and remote areas.
8. To enable the students to explore the locally available economic resources for their employment and providing support to the society.

प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम के द्वारा पूर्व राज्यपाल सिक्किम, माननीय गंगा प्रसाद एवं ग्रामीण मंत्री बिहार सरकार माननीय श्रवण कुमार को सम्मानित किया गया

महाविद्यालय की विशेषताएँ

- व्यवसायिक कोर्स BBA, BCA एवं BLIS की पढ़ाई
- नियमित वर्ग संचालन
- स्मार्टबोर्ड युक्त कक्षाएँ
- प्रबुद्ध शिक्षकगण
- एकेडमिक कलैन्डर
- ऑनलाइन नामांकन
- ऑनलाइन परीक्षा संबंधी कार्य
- ओटोमेटेड लाइब्रेरी
- आधुनिक सुसज्जित विज्ञान प्रायोगशाला
- ड्रेस कोड
- सोलर ऊर्जा
- रेनवाटर हारवेस्टिग प्लांट
- E-वेस्ट मेनेजमेंट
- नियमित एन. एस. एस. सक्रियता
- अनुशासित कार्यालय संपादन
- डाइनेमिक वेबसाइट
- नियमित खेलकूद सक्रियता
- नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन
- रैम्प की सुविधा
- पूछताछ काउन्टर
- नियमित कैरियर काउन्सिलिंग
- न्यूज बुलेटिन का नियमित प्रकाशन
- Wi-fi कैम्पस
- सी.सी.टी.वी कैमरा
- पीयर टिचिंग सेल
- हेल्थ सेन्टर
- कैंटीन
- ग्रीन आर्मी
- निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग
- निःशुल्क योगा ट्रेनिंग
- निःशुल्क हेल्थ चेक-अप
- निःशुल्क जूडो/कराटे ट्रेनिंग
- निःशुल्क आपदा प्रबंधन ट्रेनिंग
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर
- छात्र दरबार
- हर्बल गार्डेन
- एंटी रैगिंग सेल

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय
पटना सिटी
तमसो मा ज्योतिर्गमय

संरक्षक
प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

संपादक
डॉ० रजिया नसरीन
अध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग

सह संपादक
डॉ० अंजु जैन
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

संपादक मंडल
डॉ० प्रीति कुमारी
असि० प्रो०, प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन

डॉ० प्रकाश दास
असि० प्रो०, दर्शनशास्त्र

डॉ० मीनु मिंज
अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र विभाग

डॉ० पूनम कुमारी
असि० प्रो०, गणित

प्राचार्य की कलम से.....

देश के विकास में आधी आबादी यानी महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में, शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज नारी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाता रहा है। पूर्वी पटना का यह एक महत्त्वपूर्ण महिला कॉलेज है जहाँ बख्तियारपुर तक से छात्रा पढ़ने आती है। यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय का एक अंगीभूत इकाई है तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में अपना एक अहम स्थान रखता है। महाविद्यालय अपनी स्थापना के उपरांत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है तथा अपनी परिधि को बढ़ाता जा रहा है, जिनके लिए पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अलावे अनेक व्यावसायिक एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय 18 विषयों में इंटर से स्नातकोत्तर स्तर तक कला एवं विज्ञान के अध्ययन अध्यापन का मंच प्रदान करता है। यहाँ BBA, BCA एवं BLIS व्यावसायिक कोर्स की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। नालन्दा आपने विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में है जिससे पूर्वी पटना के छात्र-छात्राओं को लगभग 100 विषयों में Distance Education mode में अध्ययन करने की सुविधा मिल रही है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में 28 शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं 20 स्थायी एवं आउटसोर्सिंग शिक्षिकेतर कर्मचारीगण कार्यरत है।

11 सितम्बर 2023 को दूसरी बार रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज में प्राचार्यों के रूप में मैंने यहाँ का कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय में योगदान के उपरांत महाविद्यालय का तेजी से विकास करने का मैंने दृढ़ संकल्प लिया और इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया।

तेजी से विकास के लिए समुचित सिस्टम को विकसित करने बुनियादी सुविधाओं को अविलंब बहाल करने, शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने एवं अनुशासन इत्यादि पर सर्वाधिक बल दिया परिणामस्वरूप महाविद्यालय के न सिर्फ भौतिक स्वरूप में बदलाव आने लगा बल्कि लगातार विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं आयोजन के कारण छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन हुआ एवं महाविद्यालय न सिर्फ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में बल्कि पूरे राज्य में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाता जा रहा है। मुझे यह लिखते हुए खुशी एवं गर्व महसूस हो रहा कि कठिन मेहनत एवं सतत प्रयास से दिसम्बर 2024 में महाविद्यालय का नैक से प्रत्यायन भी हो गया है। जिसमें सीमित साधनों एवं बहुत कम शिक्षक रहते हुए महाविद्यालय ने नैक से 'C' ग्रेड CGPA-1.79 प्राप्त किया। महाविद्यालय को विकास के स्वर्णिम ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए मैं संकल्पित हूँ। महाविद्यालय में साधन सीमित है, ढेरों बाधाएँ है लेकिन आगे बढ़ते जाना ही ध्येय है, क्योंकि **'मंजिलें उन्हें मिलीं जिनके सपनों में जान है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान है।'**

प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

महाविद्यालय के पदाधिकारीगण

Dr. Razia Nasrin
IQAC Co-ordinator

Dr. Anju Jain
Bursar

Dr. Sushma
Proctor

Dr. Jayanti Rani
NSS Program Officer

Dr. Pawan kumar
Admission In-charge

Dr Punam Kumari
Sports in Charge

Dr. Prakash Das
Co-ordinator Job Placement Cell

Academic & Co-Curricular Activities in Our College

Date	Programme	Organizing Department
15.04.2025	Orientation cum capacity Building Program	IQAC & SC/ST Cell
16.04.2025	मनोविज्ञान विभाग में विदाई समारोह	मनोविज्ञान विभाग
17.04.2025	प्राचीन इतिहास के अध्ययन हेतु शैक्षणिक भ्रमण	AI&AS Department
20.05.2025	वित्तीय जागरूकता संबंधी वर्कशॉप का आयोजन	IQAC
21.06.2025	''वन अर्थ–वन हेल्थ'' थीम के साथ योग दिवस का आयोजन	NSS
24.06.2025	अप्रैल–जून 2025 व्यक्तिगत विकास एवं छात्राओं को रोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रोग्राम।	IQAC & Job Placement Cell

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने के लिए दिल्ली के अंर्तराष्ट्रीय संस्था रिफासिमेंटो इंटरनेशनल ने वर्ष 2024 को लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया साथ ही अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार विजेता प्रोफाइल की एक जीवनी पुस्तक प्रकाशित की गई है जिसमें प्रो. (डॉ.) पूनम की प्रोफाइल को भी शामिल किया गया।

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में दिनांक 15.04.2025 को Orientation cum Capacity Building Programme का आयोजन बिहार सरकार द्वारा SC/ST/OBC के छात्राओं के लिए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० (डॉ) पूनम के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार के द्वारा चलाए गए इन योजनाओं से छात्राएं लाभान्वित होंगी तथा उनके व्यक्तित्व का विकास होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो० संतोष कुमार, डायरेक्टर चन्द्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना, विशेष अतिथि प्रो० ऋषिकांत कुमार, डायरेक्टर SC/ST सेल एवं डॉ० उपेन्द्र कुमार रहे। IQAC एवं SC/ST सेल के संयुक्त सौजन्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० (डॉ) अन्जु जैन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मनोविज्ञान विभाग में विदाई समारोह

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में दिनांक 16.04.2025 को सत्र 2022–2025 के स्नातक की छात्राओं की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या प्रो0(डॉ0) पूनम ने की, उन्होंने छात्राओं के संबोधित करते हुए कहा कि आज जब आप कॉलेज से विदा ले रहे है, तो आप आत्मविश्वास से भरे ज्ञान से परिपूर्ण और अनुभव से समृद्व युवा हैं। आप अपने जीवन में अच्छे इन्सान पहले बने, बड़ी सफलता बाद में स्वंय आएगी। विशाखा कुमारी को रैंप वॉक एवं क्वीज प्रतियोगिता के आधार पर मिस फेयरवेल 2025 घोषित किया गया। रूची कुमारी को उपविजेता घोषित किया गया। IQAC समन्वयक डॉ0 रजिया नसरीन एवं सांस्कृतिक समन्वयक डॉ0 अंजु जैन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ0 पवन कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 नुजहत जहॉ के द्वारा किया गया।

प्राचीन इतिहास के अध्ययन हेतु शैक्षणिक परिभ्रमण

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में दिनांक 17.04.2025 को प्राचीन भारतीय एवं एशियन अध्ययन विभाग के द्वारा छात्राओं को प्राचीन इतिहास के अध्ययन हेतु बुद्ध स्मृति पार्क संग्रहालय, पटना में शैक्षणिक परिभ्रमण करवाया गया । महाविद्यालय की प्राचार्या ने छात्राओं की हौसला बुलंद कर उन्हें परिभ्रमण के लिए रवाना किया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस शैक्षणिक परिभ्रमण से ना केवल उनके ज्ञान का वर्धन होगा बल्कि उनका मनोरंजन भी होगा। प्राचार्या ने बुद्ध की जीवनी तथा शिक्षाओं के बारे में भी छात्राओं को अवगत कराया । इस शैक्षणिक परिभ्रमण का आयोजन डॉ0 मनोज कुमार, डॉ0 प्रीति कुमारी, डॉ अमोल कुमार एवं डॉ0 दशरथ मंडल के मार्गदर्शन में किया गया।

वित्तीय जागरूकता संबंधी वर्कशॉप का आयोजन

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में दिनांक 20.05.2025 को IQAC के सौजन्य से **''इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम''** पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0(डॉ0) पूनम के द्वारा किया गया । उन्होंने छात्राओं तथा शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि इस प्रोग्राम के द्वारा जीवन में इन्वेस्टमेंट का क्या महत्व है एवं इन्वेस्टमेंट किन क्षेत्रों में किया जाना चाहिए इसकी पूरी जानकारी प्राप्त हो पाएगी। यह वेबिनार इन्वेस्टमेंट के प्रति जागरूकता फैलाने एवं शिक्षकों तथा छात्राओं को वित्तीय मामले की जानकारी देने हेतु आयोजित की गई है।

''वन अर्थ – वन हेल्थ '' थीम के साथ योग दिवस का आयोजन

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में दिनांक 21.06.2025 को ''वन अर्थ– वन हेल्थ '' थीम के साथ योग दिवस का आयोजन किया गया। योग शिविर का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ0 जयंती रानी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ0) पूनम के द्वारा किया गया । प्राचार्या ने संबोधन में बताया कि योग अनेकों दवाइयों से बढ़कर है। उन्होंने '' करो योग रहो निरोग'' के नारा के साथ छात्राओं तथा शिक्षकगण को जीवन में नियमित ढंग से योग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ0 अंजु जैन ने भी अपने विचार रखे। महाविद्यालय के शिक्षक – शिक्षकेत्तर कर्मी तथा छात्राएँ भी उपस्थित रही।

व्यक्तित्व विकास एवं छात्राओं को रोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रोग्राम

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय के चालीस छात्राओं ने HCL TCS अनुदीप फॉउडेशन द्वारा संचालित तीन माह का प्रशिक्षण में भाग लिया।

सभी छात्राओं ऑनलाईन और ऑफलाईन मोड में गर्मियों की छूट्टी में प्रशिक्षण किया एवं अपने भविष्य को सफल बनाने के लिए तत्परता और लगन से सभी क्लास में भाग लिया। इनमें बीस छात्राओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र से नवाजा जायेगा। इस प्रशिक्षण के उपरान्त छात्राओं को जॉब पत्र मिला। हिन्दी विभाग की श्वेता रानी इंर्टनशीप कर रही है जिसके पश्चात 2.5 लाख पैकेज की नौकरी HCL कम्पनी द्वारा दी जाएगी। फिलॉसफी विभाग की छात्रा स्नेहा श्रीवास्तव इंटर्नशिप के लिए चुनी गई है।.

प्राचार्या प्रो० (डॉ0) पूनम के द्वारा इस प्रकार के ट्रेनिग को महाविद्यालय में लगातार कराया जाता है ताकि छात्राओं को अधिक से अधिक जॉब मिल सके साथ ही उनके व्यक्तित्व का विकास भी हो सकें। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व डॉ० प्रकाश दास, समन्वयक, जॉव प्लेसमेंट सेल के द्वारा किया गया।

छात्राओं की कलम से...

भरोसा

खुद की काबिलियत पर भरोसा रख,
जो गलती आज की है उससे सीख,
मत मांग किसी के आगे अपनी,
सफलता के लिए भीख।
तू जलता हुआ रेगिस्तान है,
तेरे अंदर कुछ करने की ठान है,
तू रूक मत तुझे करना कुछ महान है।
तू अपने घर वालों की आस है,
उनकी उम्मीदों की सांस है,
इनको यू नहीं जाया करना है,
तुझे अपनी सफलता के लिए लड़ना है।।

नाम – मधु कुमारी
वर्ग – स्नातक
सत्र – 2023 –27
क्रमांक – 21
विषय – अर्थशास्त्र

आजादी

पंछी है कैद अगर तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर, दिया जला के रौशन कर तू।
बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में,
उलझ कर सुलझा मन के भाव तू।
औरत आदमी या कोई बच्चा,
सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी आगे बढ़ विजयी राह पर,
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया है तू,
उठ जा तू छू लें आसमान ,
आजादी पे है सबका हक।

नाम – सलोनी कुमारी
वर्ग – स्नातक
क्रमांक – 65
विषय – प्राचीन इतिहास
सत्र – 2024– 28

Power of Positive Thinking

Positive thinking means focusing on the bright side of life , even when things get tough It doesn't mean ignoring problems , but believing that we can overcome them, A positive mind gives us strength, confidence and hope .

When we think positively we fell better, work harder and handle stress more easily. It helps us grow, learn from failures and keep moving forward.

So lets choose to stay hopeful, spread positivity and believe in ourselves-because a positive mind creates a positive life.

Name - Sneha Shukla
Class -B.A, Sub - ECONOMICS, Roll - 21

परोपकार

वही मनुष्य कहलाने का अधिकारी है जो मानव जाति की सेवा को परम धर्म एवं सर्वोपरि मानता है। इसमें स्वार्थ की भावना नहीं होती है। स्वार्थी मनुष्य तो पशु के समान होता है। इसलिए परोपकार जीवन का सार्थकता है।

परोपकार के समान कोई धर्म नहीं है। अपने आपको बलिदान कर देना ही सच्ची मानवता है। यही सबसे बड़ा गुण है और यही मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है। इसलिए आत्मा की शांति तथा आनंद की प्राप्ति के लिए परोपकार परम आवश्यक है।

भारतीय संस्कृति के मूल में भी परोपकार की ही भावना है। यहॉ जो भी कार्य होते है वे सदैव बहुजन हिताय बहुजन सुखाय की दृष्टि में रखकर किये जाते है।

जो व्यक्ति जीवन में किसी की सहायता नहीं करता है, उसका जीवन आंनदमय नहीं हो सकता है। जो मनुष्य दूसरे के दुख को दूर करके प्रसन्नता बिखेरता है, उसके मन में भी प्रसन्नता और उत्साह का संचार होता है।

नाम – खुशी कुमारी
विषय – प्राचीन इतिहास विभाग
क्रमांक – 24, सत्र – 2024 – 28

मुस्कान की मुरली

मुसीबते भी लाखों सामने,
रणभूमि में या घर आंगन में,
कभी न रूके, कभी न झूके,
कृष्ण मुरूकाए हर क्षण में।
मुरली छूटी, प्रेमिका भी छुटी,
सखा छूटे, घर बार भी छूटा,
कुछ न बचा यदि फिर भी कुछ बचा,
तो भी चहरे की मुस्कान वो।
राधा ने पूछा – इतना सहकर भी मुस्काए
कैसे लेते हो?
कृष्ण बोलो – हर आंसू को मुस्कान में
बदलना
ही तो है भक्ति और मन की सच्ची शक्ति।
दर्द को ओढ़ लिया मोरपंख सा
और जग को सिखा दिया जीना।
तो तू भी मुस्कुरा, हे जीवन के राही,
कृष्ण ने छोड़ा जब मुस्कुराना नहीं,
तो तू क्यों बहा रहा आंसू खाली

–स्नेहा श्रीवास्तव

भारत में महिला शिक्षा की स्थिति

किसी भी देश की प्रगति में शिक्षा का अहम योगदान होता है और जब बात महिला शिक्षा की हो तो यह और भी जरूरी हो जाती है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाने में सक्षम होती है। भारत में महिला शिक्षा की स्थिति पिछले कुछ दशकों में बेहतर हुई है परन्तु अभी भी चुनौतियाँ बनी हुई है। प्राचीन भारत में महिलाएं विद्या वेद कला और विज्ञान में निपुण होती थीं। आजादी के बाद महिला शिक्षा की दिशा में कई प्रयास किए गए।

आज भारत में बालिकाओं का स्कूलों में नामांकन पहले से बढ़ा है। । सरकारी आंकड़ों के अनुसार महिला साक्षरता दर वर्ष 2021 में लगभग 70 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है।

नाम – दिव्या कुमारी
क्रमांक 50, विषय – हिन्दी

निजता का अधिकार

निजता का अधिकार का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा है, क्योंकि यह हर व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा और आत्म सम्मान से जुड़ा हुआ है। यह अधिकार निजी जानकारी, जीवनशैली विचार, प्राथमिकता से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में न्यायमूर्ति के० एस० पुट्टस्वामी बनाम भारत सरकार केस में निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता निजता का अधिकार यह व्यक्तिगत और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नाम–श्वेता रानी
विषय–हिन्दी, क्रमांक–07

अध्यात्म कि शक्ति

अध्यात्म कि शक्ति वे शक्ति है जिसके जरिये मनुष्य अपनी अंदर बसे आत्मा को पहचानता है। स्वंय के बारे में अध्ययन करता है, अध्यात्म के जरिये मनुष्य अपने हृदय रूपी मंदिर में छुपे हुए ईश्वर का भी अनुभव कर सकता है। आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य को पतन की ओर बढ़ने से रोकता है। भौतिकता के कारण मनुष्य के भीतर जो अंधकार उत्पन्न हो गया है, उसे अध्यात्मिकता के प्रकाश से ही दूर किया जा सकता है। अध्यात्म ज्ञान ही वह शक्ति है, जिसके जरिये ईश्वर के आयाम तथा ज्ञान एवं मानव कि सृष्टि को समझने का प्रयास किया जा सकता है।

नाम — श्वेता कुमारी
वर्ग — स्नातक
क्रमांक — 157
विषय — समाजशास्त्र

वर्तमान समय में चैट G.P.T की उपयोगिता

चैट जी0 पी0 टी0 एक कृतिम बुद्धिमता 'चैटबॉट' है जिसे टाइप किए गए संकेतों को समझने और मानवीय लगने वाली सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। यह अब तक का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ वेब प्लेटफार्म है। यह टूल आकलन, गतिविधियाँ, रूपरेखा और उद्देश्य तैयार करता है। चैट जी.पी.टी. की सहायता से शिक्षक विभिन्न उपकरणों और सुविधाओं के माध्यम से अपने छात्रों के लेखन कौशल में सुधार कर सकते हैं।

नाम— मुस्कान कुमारी
वर्ग — स्नातक
क्रमांक — 64
विषय — समाजशास्त्र

खबरों में कॉलेज

आरपीएम कॉलेज में छात्राओं के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आर.पी.एम. महाविद्यालय मे ओरिएंटेशन कम कैपेसिटी ब्लोडिंग प्रोग्राम 'का आयोजन सरकार द्वारा छात्राओं के लिए किए गए कार्यक्रम के तहत संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.)संतोष कुमार, डायरेक्ट चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना रहे। विशेष अतिथि प्रो.डॉ. ऋषिकांत कुमार, डायरेक्ट चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना, तथा डॉ.अलोक कुमार एडमिशन ऑफिसर सम्प, डॉ.उपेंद्र कुमार को ऑर्डिनेटर चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रकाश दास ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज कि प्राचार्या प्रो.(डॉ.)पूनम के द्वारा किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने छात्राओं को बिहार सरकार द्वारा चलाए गए योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या ने कहा कि इस प्रतिस्पर्धा के दौर में छात्राओं में तार्किक क्षमताओं का अपने जीवन में लाना आवश्यक है। कार्यक्रम के आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर कर छात्राओं को व्यक्तित्व विकास और उनकी स्किल डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जिसमें चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना का महत्वपूर्ण योगदान होगा। धन्यवाद ज्ञापन कोऑर्डिनेटर प्रो. (डॉ.)अंजू जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकगण प्रो.(डॉ.) रजिया नसरीन, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ.मिराज, डॉ. नुजहत जहाँ, डॉ.पवन, डॉ.सत्येंद्र शर्मा, डॉ.अमोल कुमार, डॉ.दशरथ मंडल, डॉ.प्रियंका, मोनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

प्रतिस्पर्धा के दौर में छात्राओं में तार्किक क्षमता लाना आवश्यक

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम महाविद्यालय में ओरिएंटेशन सह कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। सरकार के द्वारा एससी, एसटी व ओबीसी छात्राओं के लिए किए गए कार्यक्रम के तहत आईक्यूएसी, आरपीएम कॉलेज के तत्वावधान में एससी/एसटी सेल कॉलेज के सदस्यों द्वारा संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोडॉ संतोष कुमार, डायरेक्ट, ओबीसी सेल चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रहे। विशेष अतिथि प्रोडॉ ऋषिकांत कुमार, निदेशक चंद्रगुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट तथा डॉ अलोक कुमार एडमिशन ऑफिसर सम्प, डॉ. उपेंद्र कुमार कोऑर्डिनेटर थे। कार्यक्रम का संचालन सेल के समन्वयक डॉ प्रकाश दास ने किया। इसकी शुरूआत द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने करते हुए छात्राओं को बिहार सरकार द्वारा चलाए गए योजनाओं से लाभान्वित होने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतिस्पर्धा के दौर में छात्राओं में तार्किक क्षमता का अपने जीवन में लाना आवश्यक है। कार्यक्रम के आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर कर छात्राओं को व्यक्तित्व विकास और उनकी स्किल डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की बात कही। धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. डॉ अंजू जैन ने किया। कार्यक्रम में प्रोडॉ रजिया नसरीन, डॉ प्रीति कुमारी, डॉ मिराज, डॉ नुजहत जहां, डॉ पवन, डॉ सत्येंद्र शर्मा, डॉ अमोल कुमार, डॉ दशरथ मंडल, डॉ प्रियंका, मोनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

प्राचीन इतिहास के अध्ययन हेतु बुद्ध स्मृति पार्क का शैक्षणिक भ्रमण

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आर.पी.एम. महाविद्यालय से प्राचीन इतिहास के अध्ययन के उद्देश्य से छात्रों का एक समूह बुद्ध स्मृति पार्क के शैक्षणिक भ्रमण पर गया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो.(डॉ.)पूनम के नेतृत्व में छात्राओं को रवाना किया गया। इस शैक्षणिक यात्रा का आयोजन डॉ. मनोज कुमार, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अमोल कुमार, डॉ. दशरथ मंडल के मार्गदर्शन में किया गया। शिक्षकों ने छात्रों को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर से अवगत कराने के लिए इस भ्रमण का नेतृत्व किया। बुद्ध स्मृति पार्क, जो भगवान बुद्ध की 2554वीं जयंती के अवसर पर विकसित किया गया था, ऐतिहासिक अध्ययन के लिए एक उपयुक्त स्थल है। छात्रों ने पार्क में स्थित विभिन्न आकर्षणों का अवलोकन किया, जिनमें बोधि वृक्ष की शाखाएं, ध्यान केंद्र, तथा बौद्ध धरोहर से जुड़ा संग्रहालय प्रमुख थे। शिक्षकों ने फील्ड स्टडी के महत्व पर बल देते हुए छात्रों को प्रत्यक्ष अवलोकन के संवाद के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने इतिहास से जुड़े प्रश्न पूछें और महत्वपूर्ण तथ्यों को नोट किया। यह शैक्षणिक यात्रा छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई और उन्होंने भारत की प्राचीन विरासत को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया। इस भ्रमण में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

कॉलेज की प्राचार्या को मिला लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड-2024

पटना सिटी (आससे)। चौक शिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला महाविद्यालय की

प्राचार्या प्रो.पूनम को दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय संस्था रिफासिमेंटो इंटरनेशनल ने वर्ष -2024 का %लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड% से सम्मानित किया। बताते चलें कि अवार्ड शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले लोगों को दिया गया है साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार विजेता प्रोफाइल की एक जीवनी पुस्तक प्रकाशित की गई है जिसमें प्रो. (डॉ.) पूनम की प्रोफाइल को भी शामिल किया गया था।कार्यशाला प्रो. (डॉ.) पूनम ने अपने समर्पण और उत्कृष्ट नेतृत्व से विभिन्न महाविद्यालयों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। उनके निर्देशन में, कॉलेज ने शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक संस्थानों में उल्लेखनीय प्रगति की है, दिसंबर -2024 में ही कार्यशाला के सफल नेतृत्व में आरपीएम कॉलेज, पटना शहर का प्रथम बारं नेक से ग्रेडिंग भी हुई। इस पुरस्कार से सम्मानित होने पर 'कार्यशाला डॉ. पूनम ने कहा, इस पुरस्कार का मिलना मेरे लिए बहुत गर्व व हर्ष की बात है।

प्राचीन इतिहास के अध्ययन को बुद्ध स्मृति पार्क का शैक्षणिक भ्रमण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम महाविद्यालय से प्राचीन इतिहास के अध्ययन के उद्देश्य से छात्रों का एक समूह बुद्ध स्मृति पार्क के शैक्षणिक भ्रमण पर गया। कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम के नेतृत्व में छात्राओं को रवाना किया गया। इस शैक्षणिक यात्रा का आयोजन डॉ मनोज कुमार, डॉ प्रीति कुमारी, डॉ अमोल कुमार व डॉ दशरथ मंडल के मार्गदर्शन में किया गया। शिक्षकों ने छात्राओं को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर से अवगत कराने के लिए इस भ्रमण का नेतृत्व किया। बुद्ध स्मृति पार्क, जो भगवान बुद्ध की 2554वीं जयंती के अवसर पर विकसित किया गया था, ऐतिहासिक अध्ययन के लिए एक उपयुक्त स्थल है। छात्रों ने पार्क में स्थित विभिन्न आकर्षणों का अवलोकन किया, जिनमें बोधि वृक्ष की शाखाएं, ध्यान केंद्र, तथा बौद्ध धरोहर से जुड़ा संग्रहालय प्रमुख थे। शिक्षकों ने फील्ड स्टडी के महत्व पर बल देते हुए छात्रों को प्रत्यक्ष अवलोकन के संवाद के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने इतिहास से जुड़े प्रश्न पूछें और महत्वपूर्ण तथ्यों को नोट किया। यह शैक्षणिक यात्रा छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई और उन्होंने भारत की प्राचीन विरासत को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया। इस भ्रमण में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

'वन अर्थ वन हेल्थ' योग दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आर.पी.एम. महाविद्यालय में 'वन अर्थ वन हेल्थ' अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जयंति रानी ने योग शिविर का संचालन किया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने किया। उन्होंने बताया कि योग अनेको दवाइयों से बढ़कर होता है, प्रातः काल में योगाभ्यास करने से मनुष्य दिन भर तरोताजा महसूस करता है। योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि योग आत्मा को संतुलन में लाने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। प्रतिदिन योग करने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ाने का योग से अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता है। योग एकमात्र ऐसा साधन है जिसको अपनी जिंदगी में अपनाकर आप स्वस्थ रह सकते हैं और जिंदगी की चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में पूर्व एनएसएस पदाधिकारी डॉ.अंजू जैन ने योग की महत्ता को बताते हुए कहा कि 'हेल्थ इज वेल्थ' और 'योगाः कर्मसु कौशलम' योग के द्वारा कार्यों की कुशलता प्राप्त होती है इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण डॉ. नागेंद्र मिश्र, डॉ. अंजू जैन, डॉ. मनोज, डॉ. प्रीति, डॉ. वीणा, डॉ. मिराज, डॉ. नुजहत, डॉ.पवन, मोनी कुमारी आदि एवं छात्राओं ने अति उत्साहित होकर योगाभ्यास किया।

शिक्षकों व छात्राओं में वित्तीय जागरुकता को हुआ वर्कशॉप

पटना सिटी, संवाददाता। आरपीएम महाविद्यालय में आईक्यूएसी के सौजन्य से वर्कशॉप का आयोजन वेबिनार के माध्यम से किया गया। इसका विषय इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम एसबी वेल्थ पार्टनर नई दिल्ली के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम के द्वारा की गई। वेबिनार का आयोजन आईक्यूएसी की को-ऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन और ज्वाइंट को-ऑर्डिनेटर डॉ अंजू जैन ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ प्रकाश दास का सक्रिय सहयोग रहा। प्रोग्राम का उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षकों और छात्राओं को वित्तीय जागरुकता और सशक्त भारत बनाने के लिए किया गया। हमारे देश में यह विश्वास किया जाता है कि वित्तीय जागरुकता ही आपकी संपत्ति बना सकती है और सुरक्षित रख सकती है। कार्यक्रम की समाप्ति प्रतिभागियों के सकारात्मक फीडबैक के साथ हुई। अधिकांश छात्राओं ने कहा कि उन्हें पहली बार पूंजी बाजार को इतने व्यावहारिक एवं सरल ढंग से समझने का अवसर मिला है और वे अब स्वयं को वित्तीय रूप से अधिक जागरूक महसूस कर रहे हैं। यह भी साबित हुआ कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में वित्तीय शिक्षा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रहे निरोग करे योग, आयोजित हुए कार्यक्रम

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी. विश्व योग दिवस को ले चमडोरिया स्थित आर्य समाज मंदिर परिसर में वार्ड संख्या 66 की पार्षद कांति देवी की अध्यक्षता और पूर्व पार्षद मनोज कुमार के संचालन में योगाचार्य डॉ कर्ण कुमार की देखरेख में योग शिविर लगा.शिविर में अधिवक्ता प्रदीप गुप्ता ने योग के महत्व को रेखांकित किया. श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो डॉ कनक भूषण मिश्र की अध्यक्षता व डॉ नंद कुमार के संचालन में योग शिविर हुई. शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव शामिल हुए. चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में प्राचार्या प्रो डॉ पूनम की अध्यक्षता में योग शिविर लगा. इसमें डॉ अंजू जैन ने योग के महत्व बताये. घघा घाट पर सूर्य नारायण मंदिर न्यास की ओर से दिलीप कुमार व शैलेंद्र कुमार सिंह की देखरेख में योग हुआ. पाटलिपुत्र परिषद की ओर से पाटलिपुत्र खेल परिषद में शिविर आयोजित हुई. जिसका उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने की. परिषद अध्यक्ष डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा की अध्यक्षता और महासचिव संजीव कुमार यादव के संचालन में हुए शिविर में योग शिक्षक सत्येंद्र कुमार, सतीश शर्मा, रेणु दीदी की देखरेख में योग हुए.इसमें प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्र, महानगर अध्यक्ष रुप नारायण मेहता, सरोज जायसवाल, सुनीता देवी पूनम यादव समेत अन्य शामिल थी. राजकीय महिला महाविद्यालय गुलजारबाग में प्राचार्या प्रो श्रुति तेतरवे की अध्यक्षता में योग शिविर लगा. इसमें ऑन लाइन रश्मि रिंकी मैसुर से जुड़ी. प्रो उषा यादव ने स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन डॉ कुमारी निमिषा ने की. सीनियर सिटीजंस वेलफेयर सोसाइटी ने गौरीशंकर मंदिर पार्क में अध्यक्ष डॉ अविनाश प्रसाद, सचिव डॉ सुरेन्द्र प्रसाद व सुदर्शन प्रसाद सिन्हा की देखरेख में योग हुआ. अगमकुंआ स्थित आरएमआरआई के निदेशक डॉ कृष्णा पांडे एवं क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में प्रभारी डा रोहित, डॉ अशोक कुमार सिन्हा व क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में उपनिदेशक डा मुमताज अहमद के नेतृत्व में योग हुआ.